DAY — **12** SEAT NUMBER | | | | | | |

2025	II	27	1100	**J-341**	(H)

HISTORY AND DEVELOPMENT OF INDIAN MUSIC (65)

Time : 3 Hrs. **(4 Pages)** **Max. Marks : 100**

सूचनाएँ : *(१) सभी प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है।*

(२) प्रश्नों के दाहिनी ओर अंक दर्शाए गए हैं।

(३) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखते समय पूरा वाक्य लिखकर उत्तर लिखना आवश्यक है।

(४) सभी प्रश्नों के उत्तर नए पन्ने पर लिखिए।

प्र. १. **(अ)** उचित विकल्प चुनकर निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए एवं वाक्य पुनः लिखिए (कोई सात) : **[१४]** (७)

(१) पंडित पलुस्करजी का जन्म ----- में हुआ था।
[कुरूंदवाड, मुंबई]

(२) राग गाते अथवा बजाते समय जिस स्वर पर रुकते हैं उस स्वर को ----- कहते हैं।
[कण स्वर, न्यास स्वर]

(३) 'एकच प्याला' नाटक की बालगंधर्वजी की आखिरी भूमिका ----- की थी।
[सिंधू, यशोदा]

(४) राग की विशेषता ध्यान में रखते हुए विलंबित अथवा मध्य लय में किया गया स्वर विस्तार अर्थात् ----- है।
[तान, आलाप]

(५) 'सारे जहाँ से अच्छा' इस गीत का संगीत दिग्दर्शन ----- जी ने किया।
[पंडित रविशंकर, उस्ताद अब्दुल करीम खाँ]

(६) स्वरों का कंपन करके उनपर वजन देने की क्रिया को ----- कहते हैं।
[गमक, थाट]

(७) पंडिता मृणालिनी साराभाई की प्रारंभिक शिक्षा ---- में हुई।
[स्विट्ज़रलैंड, जापान]

(८) धमार ताल का उपयोग ---- इस गीत शैली के लिए होता है।
[ख्याल, धमार]

(ब) निम्नलिखित विभाग 'अ' तथा 'ब' के शब्दों की उचित जोड़ियाँ मिलाइए (कोई सात) : (७)

'अ' विभाग	'ब' विभाग
(अ) संगीत बालबोध	(१) शकुंतला
(ब) तान	(२) मृणालिनी साराभाई
(क) बालगंधर्व	(३) द्रुत लय में स्वर विस्तार
(ड) अलंकार	(४) रागवाचक स्वर समूह
(इ) प्रसिद्ध नृत्यांगना (नर्तिका)	(५) पंडित पलुस्कर
(फ) पकड़	(६) भजनी
(ग) भक्ति संगीत	(७) आगे या पीछे के स्वरों को स्पर्श करना
(ह) कण स्वर	(८) स्वरों की क्रमिक रचना

प्र. २. **(अ)** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर केवल एक वाक्य में दीजिए (कोई सात): (७) **[१४]**

(१) सभा के अंत में 'वंदे मातरम्' गान की प्रथा किसने शुरू की?

(२) पारिभाषिक शब्द 'थाट' की परिभाषा लिखिए।

(३) 'अथ स्वागतम् शुभ स्वागतम्' स्वागत गीत का संगीत दिग्दर्शन किसने किया?

(४) 'ठुमरी' इस गीत प्रकार के लिए कौन-सा ताल उपयोग में लाया जाता है?

(५) 'जमजमा' की परिभाषा लिखिए।

(६) बालगंधर्वजी का पूरा नाम लिखिए।

(७) आलाप में ली गई मध्यलय की छोटी तान को क्या कहते हैं?

(८) 'दर्पण एकेडमी ऑफ परफॉर्मिंग आर्टस्' नामक संस्था किसने स्थापित की है?

(ब) निम्नलिखित विधान 'सही' हैं या 'गलत' लिखिए (कोई सात): (७)

(१) पाँच स्वर होने पर राग की जाति को 'ओडव' जाति कहते हैं।

(२) 'संगीत अमृतप्रवाह' पुस्तक के लेखक पंडित वि.दी. पलुस्कर हैं।

(३) सरोद एवं सितार इन वाद्यों पर बजाने वाली तानों को झाला कहते हैं।

(४) पंडिता मृणालिनी साराभाई ने नृत्यनाटिकाओं की रचना की है।

(५) धुमाली ताल बारह मात्राओं का है।

(६) तत वाद्यों पर विलंबित लय में बजाने वाली गत को मसीतखानी गत कहते हैं।

(७) 'गंधर्व नाटक मंडली' संस्था की स्थापना बालगंधर्वजी ने की।

(८) राग निर्माण की क्षमता रखने वाले सात स्वरों के समूह को मूर्च्छना कहते हैं।

प्र. ३. भारतीय संगीत के इतिहास की स्वतंत्रतापूर्व अथवा स्वतंत्रता के बाद की जानकारी विस्तार से लिखिए। **[१४]**

प्र. ४. स्वतंत्रता के बाद के समय में महाराष्ट्र में 'नाट्यसंगीत की स्थिति' के विषय में विस्तार से लिखिए। **[१४]**

प्र. ५. टिप्पणियाँ लिखिए : **[१४]**

(१) भरतनाट्यम अथवा लावणी (७)

(२) सनई अथवा जलतरंग (७)

प्र. ६. भारतीय संगीत शिक्षा में प्राचीन गुरू-शिष्य परंपरा से लेकर आधुनिक संगीत शिक्षा पद्धति तक किस तरह परिवर्तन हुआ? इसकी जानकारी विस्तार से लिखिए। **[१४]**

प्र. ७. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **[१६]**

(अ) निम्नलिखित कोई भी 'दो' ताल बोलसहित लिखिए : (८)

(१) चौताल

(२) खेमटा

(३) एकताल

(ब) निम्नलिखित गीत शैली की जानकारी लिखिए (कोई एक) : (८)

(१) ठुमरी

(२) गज़ल

◆◆◆